



हिन्दी दैनिक

R.N.I.; UPHIN/2012/42725

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर से प्रकाशित

निक

कानपुर गुरुवार, 01 जुलाई 2021

पृष्ठ : 8

मूल्य : 2 रुपये

सीएसए की गृह पैज़ानिकों द्वारा नवनिर्बाचित महिला प्रधानों को दिया गया प्रशिद्धण

कानपुर—हिन्दुस्तान का इतिहास— नात नाह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अवृत्तता में विभिन्न विश्वविद्यालयों के काल्पतिकों व अन्य पदाधिकारियों के साथ हुई वर्तुआल गीटिंग में उनके द्वारा प्रदत्त दिला निर्देशों के क्रम में आज दिनांक 30 जून, 2021 को विकाससंचांड मैथा की नवनिर्बाचित महिला प्रधानों की जागरूकता गोष्ठी का आयोजन रखा विकास अधिकारी मैथा एवं लंद्रोखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया कार्यक्रम में विकास स्थान से नवनिर्बाचित 24 महिला प्रधानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरुआत रंड विकास अधिकारी डॉ. पी. के. मुफ्ता द्वारा विभिन्न विकाससंचांड मैथा की

जोकि लरकार द्वारा ग्राम विकास हेतु चलाई जा रही है के बारे में जानकारी द्वारा हुई कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए चंड शोखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ विधिलंग वर्मा ने विभिन्न योजनाओं की विस्तृत चर्चा करते हुए ग्राम प्रधानों को उनके जाम बया होते हैं यह बताया साथ ही उन्हें आगे बढ़ावर अपने अपने गांव को आदर्श गांव बनाने को प्रेरित किया और कहा कि हिन्दुस्तान का काम बोलता है अगर आप अच्छा जाम करेंगे तो आगे वर्ष सत्र उनको मिल सकते हैं। और महिलाओं की योन्यता पर विश्वास करते हुए जब सामीनों ने उन्हें यह मीठा प्रदान किया है तो ग्राम प्रधानों का यह दायित्व बन जाता है कि वे ग्रामीणों के विश्वास पर

खरे उतरे। कार्यक्रम में कृषि विकास हेतु चलाई जा रही है के बारे में जानकारी द्वारा हुई कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए चंड शोखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ विधिलंग वर्मा ने विभिन्न योजनाओं की विस्तृत चर्चा करते हुए बहा कि महिला प्रधान तो निर्बाचित होती है लेकिन उसके साथ प्रधान परिका का भी एक पद रखते हैं। इन्होंने जाए दूसी के साथ दो अवसर्थी ने महिला प्रधानों से उनके नायों में सभी परों में गृह याटिका लगवाने व एकूल अंगनवाली कोड्र व ग्राम सम्बन्ध की जीवीन पर लामुदायिक नृहायाटिक बनवाने का सुझाव देते हुए कहा कि कानपुर देहात में काफी कुपोषण है और कुपोषण से लड़ने में गृह याटिका का बहुत योगदान है। कार्यक्रम में सामुदायिक ऐक्यो सेन्टर मैथा की राधा शुक्ला जी व साहायक विकास अधिकारी को नवनिर्बाचित कार एवं कर्तव्यों का महिला प्रधानों व अन्य प्रधानों भलीभांति ज्ञान हो जाये।

हैं अतः आपसे उम्मीद है कि आप अपना व अपने घाम की सभी महिलाओं का रीडिक, आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण करेंगी और अब जब हम अगली बार मिलेंगे तो हम अपने साथ प्रधान लाइक पर बोलने लगें जाएं काम से इतना विकास हो जाता हो ही जाए दूसी के साथ दो अवसर्थी ने महिला प्रधानों से उनके नायों में सभी परों में गृह याटिका लगवाने व एकूल अंगनवाली कोड्र व ग्राम सम्बन्ध की जीवीन पर लामुदायिक नृहायाटिक बनवाने का सुझाव देते हुए कहा कि कानपुर देहात में काफी कुपोषण है और कुपोषण से लड़ने में गृह याटिका का बहुत योगदान है। कार्यक्रम में सामुदायिक ऐक्यो सेन्टर मैथा की राधा शुक्ला जी व साहायक विकास अधिकारी को नवनिर्बाचित कार एवं कर्तव्यों का महिला प्रधानों व अन्य प्रधानों भलीभांति ज्ञान हो जाये।



ग्रामीणों के भरोसे पर खरी उतरें महिला प्रधान

अमृत विचार, कानपुर

01/07/2021

विकासखंड मैथा को नवनिवाचित महिला प्रधानों की जागरूकता गोष्ठी का आयोजन खंड विकास अधिकारी मैथा एवं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय हारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में विकासखण्ड मैथा से नवनिवाचित 24 महिला प्रधानों ने प्रतिभाग किया। खंड विकास अधिकारी डॉ. पी.के. ने ग्राम विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ मिथिलेश वर्मा ने विभिन्न योजनाओं की विस्तृत चर्चा करते हुए ग्राम प्रधानों को उनके काम बताये। उन्हें आगे बढ़ कर अपने अपने गांव को आदर्श गांव बनाने



गोष्ठी में महिला प्रधानों को संबोधित करती गृह वैज्ञानिक।

फोटो: अमृत विचार

को प्रेरित किया। कहा कि इंसान का काम बोलता है। अगर आप अच्छा काम करेंगी तो अगली बार फिर से मौका मिल सकता है। महिलाओं की योग्यता पर विश्वास करते हुए जब ग्रामीणों ने उन्हें यह मौका प्रदान दिया है तो ग्राम प्रधानों का दायित्व है कि वे ग्रामीणों के विश्वास पर खरी उतरें। कृषि विज्ञान केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ चंद्रकला ने कहा कि महिला प्रधान

तो निवाचित होती है लेकिन उसके साथ प्रधान पति का भी एक पद स्वतः क्रिएट हो जाता है। इसलिए यहां उपस्थित सभी महिला प्रधानों से मेरी अपील है कि प्रधान पति से काम न करवा कर स्वयं गांवों के विकास करान अपने हाथ में ले।

कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की डॉ. निमिषा अवस्थी ने नवनिवाचित महिला प्रधानों से कहा कि वे गांव की चयनित प्रधान हैं अर्थात् आप सशक्त महिला का उदाहरण हैं। उम्मीद है कि आप सभी अपनी ग्राम की महिलाओं का शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण करेंगी।

डॉ अवस्थी ने महिला प्रधानों से उनके गांवों में सभी घरों में गृह वाटिका लगवाने व स्कूल आंगनबाड़ी केंद्र व ग्राम समाज की जमीन पर सामुदायिक गृहवाटिका बनवाने का सुझाव दिया। कहा कि कानपुर देहात में काफी कुपोषण है और कुपोषण से लड़ने में गृह वाटिका काफी कारगर है। कार्यक्रम के अंत में डॉ मिथिलेश वर्मा ने खंड विकास अधिकारी को नवनिवाचित महिला प्रधानों व अन्य प्रधानों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी, जिससे उन्हें अपने अधिकार एवं कर्तव्यों का भलीभांति जानकारी हो जाये।



जन एक्सप्रेस

सेवानिवृत्त हुए ११ शिक्षकों और वैज्ञानिकों को दी विदाई

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में बुधवार को सेवानिवृत्त हुए ११ शिक्षकों और वैज्ञानिकों के लिए विदाई समारोह का आयोजन हुआ। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने कहा कि शिक्षक और वैज्ञानिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं विश्वविद्यालय या विभाग से सेवानिवृत्त होने के बाद उनके ऊपर समाज को शिक्षित करने तथा सही रास्ते पर ले जाने की जिम्मेदारी होती है। सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के पूर्व निदेशक प्रसार डॉ. धूम सिंह ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय में मुझे बहुत कुछ सीखने का मौका मिला है। सेवानिवृत्त डॉ. जी. एस.



परिहार ने कहा कि विश्वविद्यालय सेवा में पिछले कई वर्षों से जुड़ा हुआ हूं विश्वविद्यालय को मेरी जब भी कोई जरूरत पड़ेगी तो मैं पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ यहां खड़ा रहूंगा।

इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ. एच जी प्रकाश, कुलसचिव डॉ एस के गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ आर पी सिंह, डॉक्टर राम सिंह उमराव सहित सभी विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक एवं संकाय सदस्य मौजूद रहे।



आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय डिनरी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

कृ.ए.वी.पी नई विली एवं राज्य सरकार द्वारा प्रियापल गांधीजी प्राप्त

मं. 12 अंक : 297

कानपुर देहात, कुमार 01 जुलाई 2021

Email: sattarexpress@rediffmail.com

सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों की हुई शानदार विदाई

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। वैज्ञानिक सेवानिवृत्त हुए हैं। इसके चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं लिए विश्वविद्यालय ने विदाई



प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में 30 जून 2021 को 11 शिक्षक

समारोह कैलाश भवन प्रेक्षागृह में में रखा। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृ

पंचायत सचिव जमा करायेंगे

थि संकाय डॉ धर्मराज सिंह ने कहा कि शिक्षक वैज्ञानिक कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं वे अपने विश्वविद्यालय या विभाग से सेवानिवृत्त होने के बाद उनके ऊपर समाज को शिक्षित करने एवं उसे सही रास्ते पर ले जाने की जिम्मेदारी होती है। सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के पूर्व निदेशक प्रसार डॉ धूम सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में मुझे बहुत कुछ सीखने का मौका मिला है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त डॉ जी एस परिहार ने कहा कि विश्वविद्यालय सेवा में पिछले कई वर्षों से जुड़ा हुआ हूं विश्वविद्यालय को मेरी जब भी कोई जरूरत पड़ेगी तो मैं पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ यहां खड़ा रहूंगा। उसके पूर्व सभी शिक्षकों को उपस्थित अधिष्ठाता एवं निदेशकों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निदेशक शोध । डॉ एच जी प्रकाश, कुलसचिव डॉ एस के गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ आर पी सिंह, डॉ राम सिंह उमराव सहित सभी विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।



लाखनऊ सौरकरण

वर्ष-05, अंक -246
गुरुवार, 01 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु^०
लाखनऊ, लोपता, हासी और केलरबहू द्वे प्रकाशित

For epaper → www.updайнिकभास्कर.com

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

34 किलोमीटर की दैर्घ्य में 33 प्रकार के लगभग 88 हजार पेड़ लगाये जाने की योजना

सीएसए की गृह वैज्ञानिकों द्वारा नवनिर्बाचित 24 महिला प्रधानों को प्रशिक्षण

लाखनऊ व्यूज

कानपुर। यह माह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन की अध्यक्षता में विभिन्न विश्वविद्यालयों के गुलमपीठीयों व अन्य पदधिकारियों के साथ हुई बृहप्रत्यक्ष मीटिंग में उनके द्वारा प्रदत्त विद्या निर्देशों के काम में दिनोंक 30 जून, को विकासदंड यैश की नवनिर्बाचित महिला प्रधानों की जागरूकता बोर्डी वा आजोजन दंड विकास अधिकारी मैथ एवं चंद्रहोस्त्र आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में विकासदंड मैथ से नवनिर्बाचित 24 महिला



प्रधानों ने प्रतिवेदन किया। कार्यक्रम की सुरक्षाता खंड विकास अधिकारी डॉ. पी. के. मुख्ता द्वारा विभिन्न विकाससेन्टर्स को जो वी

निधिलोरा दर्मा ने विभिन्न योजनाओं की विस्तृत वर्णन करते हुए वाम प्रधानों को उनके काम क्या होते हैं यह कहाय काम स्थान ही उन्हें आने वढ़ कर उपर्युक्त विकास हेतु चलाई जा रही हैं के बारे में जानकारी द्वारा हुई। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ

महिलाओं वी योग्यता पर विश्वास करते हुए जब डॉमीटो ने उन्हें यह नीका प्रदान दिया है तो ग्राम प्रधानों का यह दृष्टिव बन जाता है कि वे ग्रामीणों के विश्वास पर खड़े उतरे। कार्यक्रम में गृहिणी विज्ञान केंद्र की गृह विज्ञानिक डॉ चंद्रकला ने नव

निर्बाचित महिला प्रधानों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित जारहे हुए कहा कि महिला प्रधान तो निर्बाचित होती है लेकिन उसके साथ प्रधान पर्याय का भी एक यद रखते हैं इन्हें ही जाता है जब आप महिला प्रधानों से गह अनुरोध है कि आप प्रधान पर्याय के द्वारा काम न करवा कर स्वर्ण करे लाडि आप का गंव के साथ सा

महिलाओं वी योग्यता पर विश्वास हो। उन्होंने महिला प्रधानों को स्वर्ण जाने बढ़कर कार्य करने एवं जनवाने को प्रेरित किया। इसी में कृषि विज्ञान केंद्र दलीय नवर की डॉ निमिता अवस्थी ने नव निर्बाचित महिला प्रधानों से कहा कि वे शब्द की व्यापित प्रधान हैं अर्थात् आप सशक्त महिला का परफेक्ट उदाहरण हैं अतः आपसे उम्मीद है कि आप आगे व जाने वाम ली सभी। महिलाओं वा शैक्षिक, अर्थिक, समाजिक सशक्तिकरण करेंगी और अब जब हन अगली बार मिलेंगी तो वे वाम प्रधान मझक पर बैलने लने जाएं काम से हतना विकास वा उनका हो ही जाए।





...लक्ष्यका विभिन्न के लिए

विधान केसरी

लक्ष्यका लक्ष्यका, लक्ष्यका 01 जुलाई 2021 (तिथि ० अंक ०३), पृष्ठा २५८ लक्ष्यका ५०८-५१

अब ज्ञाप बोलेंगे
तो जबै हुई बातें
ही देखाएंगे
पर सुनें पर
कृति नव्य
सुनेंगे।

संसदीय से लिखानी के लिए लागत जारी
RNC NO. UPMHN/2812/47972

6

परिवर्त के आवासीय कालोनी में...

पृष्ठा ३

लगी इकाइयों का ले लिए...

पृष्ठा ५

आतंकवाद के आटोपियों द्वारा...

संदेश में

कोरोना के कारण निराधित हुई महिलाओं की आजीविका के लिए नई योजना लाने जा रही योगी सरकार

सीएसए प्रोफेसर व महिला वैज्ञानिकों ने महिला प्रधानों को किया जागरूक

मैथा कानपुर देहात (विधान केसरी)। विकास खंड सभागार में नवनिर्बाचित महिला ग्राम प्रधानों को प्रभारी खंड विकास अधिकारी प्रभात कुमार गुप्ता की अव्यक्ति में ऐक आहुत की गई। जिसमें महिला ग्राम प्रधानों को ताकत के साथ दावितों का बोध करना चाहा। सीएसए महिला प्रोफेसर डॉ मिथिलेश वर्मा ने इन्हानदारी से गांव के विकास में खोयदान देने और कोरोना महामारी से बचाव में वैक्सीनेशन करवाने में पूर्ण सहयोग करने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा जहाँ जहाँ महिला प्रधान निर्बाचित हुई है वह पूर्ण रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। परिवर्तों का सहयोग लेने में कोई बुराई नहीं है परंतु उन पर आश्रित न हो स्वयं निर्णय लेते हुए विकास करवाएं। प्रभारी खंड विकास अधिकारी प्रभात गुप्ता ने



नवनिर्बाचित महिला प्रधानों को बधाई देते हुए उनसे आशा की आप लोग स्वयं प्रधानों की जागड़ोर हाथ में लेते हुए महिला सशक्तिकरण को मजबूत करें। लोकतंत्र की आप लोग मजबूत करदी हैं कोरोना की लड़ाई में ग्राम प्रधानों की अव्यक्ति में गठित निगरानी समितियों ने अहम भूमिका निभाई है। आप लोग १ जुलाई से शुरू हो रहे

गांव-गांव वैक्सीनेशन में जूर्ज सहयोग करें। खंड विकास अधिकारी ने घोषणा करते हुए कहा कि १ जुलाई से कोरोना सर्टिफिकेट के बिना कोई भी व्यक्ति खंड कार्बनलय के नेट में प्रवेश नहीं कर पाएगा। केवोएम से महिला वैज्ञानिक डॉ निशा अवस्थी, डॉ चंद्रकला यादव ने भी महिला प्रधानों को जागरूक करते हुए उनको प्रदत्त शक्तियों के बारे में

विस्तार से बताया दीनों महिला वैज्ञानिकों ने कहा कि मैथा विकास खंड के अनुप्पूर गांव को केवीके ने गोद लिया है जहाँ पर राज्यपाल महोदया का भविज में कार्यक्रम प्रस्तावित है अच्छा कार्य करने वाली महिला ग्रामप्रधानों को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जायेगा। सामुदायिक रोडिंगों वर्त की आवाज जी कोऑडिनेटर राधा शुक्ला ने भी महिला प्रधानों से संवाद स्थापित करते हुए जागरूक किया। इस मौके पर बोपीएम पिंकी, गोविंद पांचाल, नीलम यादव, आईसीटीएस से सुमनलता यादव, ग्राम प्रधान उमा मिश्रा, ईन्द्रा गुप्ता, सीमा राठौर, सुनीता देवी, अचंगा गौतम, सुमन देवी, कुसमा, उषा देवी, गमादेवी प्रमुख रूप से भौजूद रहीं।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 1 जुलाई • 2021

सीएसए की गृह वैज्ञानिकों ने दिया मैथा की 24 ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण

कानपुर। विकास खंड मैथा की नवनिर्वाचित 24 महिला ग्राम प्रधानों को बुधवार को सीएसए में मैथा के खंड विकास अधिकारी और सीएसए की गृह वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण दिया।

मैथा के खंड विकास अधिकारी डॉ. पीके गुप्ता ने विभिन्न विकास की योजनायें जो ग्राम विकास के लिये चलायी जा रही हैं उसके संदर्भ में जानकारी दी। सीएसए की डॉ. मिथलेश वर्मा

स्वयं काम करें ने विभिन्न योजनाओं की चर्चा की
महिला प्रधान और ग्राम प्रधानों के क्या कार्य होते हैं
प्रेरणा दी और कहा कि इंसान का काम बोलता है। आप अच्छा काम करेंगे तो आगे कई सत्र मिल सकते हैं। यानी आगे भी आप ग्राम प्रधान बनती रहेंगी। ग्रामीणों के दिये मौके को अच्छे तरीके से फलीभूत करें। यह तभी संभव होगा जब आप ग्रामीणों के विश्वास पर खरे उतरेंगे।

गृह वैज्ञानिक डॉ. चंद्रकला ने निर्वाचित महिला प्रधानों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि जब कोई महिला प्रधान निर्वाचित होती है तो एक पद अपने आप बन जाता है जिसे प्रधान पति कहा जाता है।

सभी महिला प्रधानों से अनुरोध है कि वे ऐसे पद का निर्माण न करें और स्वयं अपने कार्य को अंजाम तक पहुंचायें, जिससे आप का गांव के साथ चहुमुखी विकास हो। कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की डॉ. निमिषा अवस्थी ने बताया कि आप अपना और गांव की महिलाओं का शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण करेंगी तो आप के काम स्वतः होने लगेंगे। महिला प्रधानों से आग्रह किया कि सभी ग्रामीण महिलाएं अपने घर में गृह वाटिका की स्थापना करें जिससे आने वाले समय में कुपोषण जैसी समस्याएं अपने आप खत्म हो जायें। कार्यक्रम में मैथा सामुदायिक रेडियो सेटर की राधा शुक्ला, सहायक विकास अधिकारी आदि थे।

सीएसए की गृह वैज्ञानिकों द्वारा नवनिर्वाचित 24 महिला प्रधानों को प्रशिक्षण

01/07/2021 राष्ट्रीय स्वरूप

बालापालन एवं विकास एवं उत्तम का अधिकारी डॉ. व.के. गुप्ता द्वारा विभिन्न राज्यपाल औंचारी बैठक की अध्यक्षता में विभिन्न विकासी-महिला वीजनार्थी जी की सत्राकार द्वारा



विकासी-वीजनार्थी के कुलवीरों व अन्य प्रशिक्षितों के साथ हुई बन्धुत्व संवाद में उनके द्वारा प्रदान विभिन्न विदेशी के काम से लिएका 30 बृ. को विकासानुरूप मिशन को नवनिर्वाचित महिला प्रधानों की बालाकाला गौड़ी का आयोजन खंड विकास अधिकारी द्वारा हजार बड़ागांव आगूद कृषि एवं विद्योगिक विकासानुरूप द्वारा संयुक्त काम से किया गया। बालाकाला में विकासानुरूप मिशन से नवनिर्वाचित 24 महिला उपासों ने उत्तिप्रधान किया। कार्यक्रम की शुरुआत खंड विकास

वायप विकास देश भर्ती जा रही है के बारे में जानकारी द्वारा हुई। कार्यक्रम को जारी बढ़ावे हुए चंद्र लोका बालाक बृ. विकासी-वीजनार्थी जी की विमुक्त वर्ष काली हुए चाम प्रधानों को उनके काम चंद्र दीते हैं यह बहुव्यापी ही उन्हें जारी कर उन्हें जारी करने वाली गांव करने को देखता किया जीर जारी किया कि इसका काम करना है अन्त जान लगाता काम करने तो जारी कर्द भर उनको किया जाता है। और विकासी जी वीजनार्थी की वीजनार्थी पर

झाड़ियों में फंसा मिला विवाहिता का शव

पुरु। नीबूपुरा में एक विकासी की गाँदिया वीजनार्थी में जीव ही मर्द। उम्रका जब भर के बीच में घटा विलग जहां पर जीर के विवाह में। यद्यकं पहले ने हन्ता का अपील लगाया है। इस बालक तीरे वे बलाका द्वि-पौरुष रिपोर्ट के बाद अपील कार्यालय की जाएही। वीजनार्थी की लहरी पर मुख्तम्य हा जा रहा है। जब की वीजनार्थी के लिए ये दिन दिया गया। भिन्नी-पूरुष गांव में रहने वाले मुख्तीय की हा जांच विवाही रही दीकी (25) में हुई थी। मुख्तीय प्राविष्ट काम करता है। विवाही जाता है कि जात का जब भर के बीच झाड़ियों में फंसा गिरा था। इसकी सूक्षा एकत्र की दी रही। यीक पर खुली। बहुव्यापी ज्ञान प्रदूषक जान प्रदूषक की। जात को जहां निकाल गया। उद्यकं जारी पर सोह के।।। इसकी जलकाठी यद्यकं जल को ढूँगा। वीजनार्थी ने प्रदूषक ज्ञान समेत बहुव्यापी या हन्ता पर जागरा। उनका कहना है ये यीरी को यात्रा के जल उन झाड़ियों वे फंसकर आनंदगत्या का जब देर ताज थी रही है। यमुरालहैजर बेटी की नहोते के लिए प्रतीकृत करते हैं। प्रधानी वीजनार्थी का वहां लहरी पर चोट के विवाह लिते हैं। भवानी जी का आगे जाना जाता है।

विवाह करते हुए जब व्याहीरों ने उन्हें यह नीका द्वारा दिया है जो ग्राम प्रधानों का यह दृष्टिकोण का जल है कि वे व्याहीरों के विवाह में जली जाती है। बालाकाला में जुधि विज्ञान केंद्र की गुरु मैलिमिक डॉ. नंदेश्वरा ने नव निवार्चित महिला प्रधानों को बुभकामनार्थ प्रेषित करते हुए कहा कि महिला प्रधान तो विवाहीरों सही है लेकिन उम्मीद साथ प्रधान पति का भी एक पद मैन: किंतु ही जाता है जब अपने महिला प्रधानों ये यह अनुरोध है कि व्याप प्रधान पति के हुए जाम न करावा कर सर्व कर्ते लाली भवत वायप काम के साथ सा चाहूँदुखी विवाह मी। उन्होंने महिला प्रधानों को स्वर्ण वर्ण व्यवस्था कार्य करने एवं कारबानी की प्रेषित किया। इसी कार्ये में जुधि विज्ञान केंद्र लालीप नगर को डॉ. निवार्चित महिला ने नव निवार्चित महिला प्रधानों से कहा कि वे गांव की व्याहीरा प्रधान हैं अपील अपने सराव भवित्व कर पर्यावरण उद्योगपति हैं जल; आपके उम्मीद हैं कि अपने अपना व अपने हाथ सभी व्याहीरा का ग्रीष्मिक, जारीकालीन व्याहीरा करारा करेंगी और जब जब हाय मलाली जर गिरते हों वे जाप प्रधान सराव पर बोलते रहें जर व्यवस्था के जाप सकते हैं। और विकासी जी अपनालहैजर ने महिला प्रधानों से उनके यांत्री में सभी पर्याप्त एवं यह व्याहीरा जालामने त सकूप अद्यानवाही केंद्र व प्रदा रामाव जी के व्याहीरा जालामने त सकूप देते हुए कहा कि कारबान प्रदूषक देश के व्याहीरी कुर्दीपर है जीर व्याहीरा से लाली में यह बालकाला का व्युत्पन्न देनावान है। कार्यक्रम में जामुद्रिक देखिये संदर्भ लिया जो एक सूक्ष्म ज्ञान अधिकारी वीजनार्थी विवाह में जुदे अन्य जलकाठी गीर्वाह है।

1
रेलव
गांवी व
दरवाजा
गला



आर.एन.जां.न.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

बी.ए.वी.पी नई दिल्ली रब्ब राज्य सरकार द्वारा विकापन माध्यम प्राप्त

क्र. 12 डिन : 257

कल्पना देश, नुस्खा 01 जुलाई 2021

Email: saltaexpress@rediffmail.com

सीएसए की गृह वैज्ञानिकों द्वारा नवनिर्वाचित महिला प्रधानों को दिया गया प्रशिक्षण

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस निवास कानपुर देहात। गत माह उत्तर प्रदेश की

गैरिका की नवनिर्वाचित महिला प्रधानों की जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

विकालघण्ट मेथा से नवनिर्वाचित 24 महिला प्रधानों ने प्रतिशत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत खंड विकास अधिकारी डॉ. फौजा द्वारा विभिन्न शिकारमन्त्री द्वारा दिया गया विभिन्न शिकारमन्त्री द्वारा दिया गया विभिन्न

कार्यक्रम में कृषि विकास कोटि वी गृह वैज्ञानिक डॉ. लंदकला ने नव निर्वाचित महिला प्रधानों को सुभकामनाएं प्रेसित करते हुए कहा कि महिला प्रधान तो निर्वाचित होती है लेकिन उसके साथ प्रधान परि का भी एक वय स्वतः किए हो जाता है अब आप महिला प्रधानों से यह उन्नती है कि आप प्रधान परि के हुए काम न करना कर स्वयं करने ताकि आप का गांव के स्वयं स्व चालूमन्त्री विकास हो। उन्होंने महिला प्रधानों को स्वयं आगे बढ़ाव कर कार्य करने एवं करन्हाने को प्रेरित किया।



की अध्यक्षता में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व अन्य पदाधिकारियों के साथ हुई वर्षांगत मीटिंग में उनके हांस प्रदर्शन दिशा निर्देशों के द्वारा में

खंड विकास अधिकारी द्वारा एवं चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय जलनपुर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में

लगे जाएं काम से हलना विकास तो उनका हो ही जाए हरकी के साथ डॉ. अवस्थी ने महिला प्रधानों से उनके गांवों में लक्ष घरों में गृह बाटिका लगाने व रक्कुत अंगनबाड़ी कोड़ि व गांव समाज की जमीन पर सामुदायिक गृहबाटिका बनाने का सुझाव देते हुए कहा कि जलनपुर देहात में बहुती कृषीयोग्य है और कृषीयोग्य से लड़ने में गृह बाटिका का बहुत योगदान है। कार्यक्रम में स्वमुदायिक रैलियों सेन्टर में की रात शुक्रवार व सहायक विकास अधिकारी जारीकिया मिलने से जुड़े अन्य कार्यकारी भीजुद रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. गियिलेश वर्मा ने खंड विकास अधिकारी को नवनिर्वाचित महिला प्रधानों व अन्य प्रधानों की भी एक ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 दिवसीय अध्येतिजित करने हेतु सलाह दी जिससे उन्हें अपने अधिकार एवम कर्तव्यों का भलीभांति ज्ञान हो जाये।

प्रधान चुनी गई तो विकास खुद करें न कि प्रधानपति

कानपुर। सीएसए की ओर से मैथा ब्लॉक की नवनिर्वाचित महिला प्रधानों को प्रशिक्षण दिया गया। राज्यपाल के निर्देश पर वैज्ञानिकों ने वर्चुअल माध्यम से महिला प्रधानों को विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में नवनिर्वाचित 24 महिला प्रधानों ने हिस्सा लिया। शुभारंभ बीड़ीओ पीके गुप्ता ने किया। विवि की वैज्ञानिक डॉ. मिथिलेश वर्मा ने ग्राम प्रधानों को उनके कार्य और अधिकारों के बारे में जानकारी दी।

सीएसए के 11 शिक्षकों को दी गई विदाई

कानपुर। सीएसए में बुधवार को विदाई समारोह में रिटायर 11 शिक्षकों का सम्मान के साथ विदाई दी गई। डॉ. धर्मराज सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक कभी रिटायर नहीं होते। वे अब विभाग के बजाए समाज में सेवाएं देंगे। रिटायर डॉ. जीएस परिहार ने कहा कि विवि परिवार है। डॉ. धूम सिंह, डॉ. जीएस परिहार, डॉ. राजबहादुर सिंह, डॉ. चंद्रभूषण वर्मा, डॉ. एमआर डबास, डॉ. जय प्रकाश सिंह, डॉ. निरंजन सिंह आदि को सम्मानित किया गया।

आमरुजाला

बृहस्पतिवार • 01.07.2021

07

kanpur.amarujala.com

सेवानिवृत्ति पर शिक्षकों को दी विदाई

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में बुधवार को समारोह में सेवानिवृत्त हुए 11 शिक्षकों को विदाई दी गई। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद शिक्षकों को समाज को सही रास्ते पर ले जाने की जिम्मेदारी होती है। पूर्व निदेशक प्रसार डॉ. धूम सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में मुझे बहुत कुछ सीखने का मौका मिला है। सेवानिवृत्त डॉ. जीएस परिहार ने कहा कि विश्वविद्यालय को मेरी जब भी कोई जरूरत पड़ेगी तो मैं यहां खड़ा रहूंगा। इस मौके पर डॉ. एचजी प्रकाश, डॉ. एसके गुप्ता, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे। (संवाद)